



१५/८६  
२८/३/८६

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 64]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 19, 1986/फाल्गुन 28, 1907

No. 64] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 19, 1986/PHALGUNA 28, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Pagings is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(आंशिक कार्य विभाग)  
नई दिल्ली, 19 मार्च, 1986  
अधिसूचना

म. एक 4 (5) उल्ल्यू एण्ड एम / 85 -- 11.50 प्रतिशत ऋण, 2015 (पांचवां निर्गम) के लिए 225 करोड़ रुपयों की कुल राशि के बास्ते 24 मार्च 1986 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में स्वीकार किये जायेंगे। पारकाम्य निष्कृत अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 24 मार्च 1986 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाका कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे। सरकार को 225 करोड़ रुपयों में अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक या यथासम्भव उम्मेद अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋण की कुल अभिदान राशि अधिसूचित रकम और दस प्रतिशत की उम्मेद राशि, जो ऊपर कहे अनुसार रख लो जा सकती है, से अधिक हो तो ऋण के संदर्भ में ग्रान्तुपात्रिक आधार पर आंशिक आवंटन किया जायेगा। यदि आंशिक आवंटन किया जाता है तो आंशिक आवंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जायेगी। इस प्रकार सौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जायेगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 मई 2015 को सममूल्य पर प्रतिवेद्य 11.50 प्रतिशत ऋण, 2015 (पांचवां निर्गम)

- (i) बापसी अदायगी की तारीख —अहृण 21 मई 2015 को सम्मूल्य पर बापस अदा किया जायेगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस अहृण की ब्याज दर 24 मार्च 1986 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 24 मार्च 1986 से 20 मई 1986 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 21 मई 1986 को अदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 21 नवंबर और 21 मई को ब्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 6 और 7 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राणि निकटतम् 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

#### पूरक व्यवस्थाएँ

4. आवेदन-पत्र केवल निम्नलिखित कार्यालयों में ही स्वीकार किये जायेंगे।

अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कामपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय।

5. ब्याज अदा करने का स्थान हम अहृण पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कामपुर, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम से स्थित लोक अहृण कार्यालय तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा भिक्किम राज्यों को छांड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में ब्याज अदा किया जायेगा।

6. ब्याज अदा करने समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की बापसी अदायगी उन अहृण धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं हैं या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं हैं या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है, वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनमें एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें वह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये विना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उने ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में धोषणा-पत्र भेजने पर कर की कटौती किये विना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

7. अब जारी किये जाने वाले अहृण पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज हथा अन्य प्रत्युमोदित निवेशों में मिलनेवाली आय को वार्षिक 7,000 रुपयों की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80ठ के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

8. अब जारी किये जाने वाले अहृण में किये जानेवाले निवेशों के मल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

9. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जायेंगी:—

(i) स्टाक प्रमाणपत्र, या

(ii) बचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेखन न करें, तो स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जायेंगी।

10. अहृण के लिए आवेदन-पत्र:—अहृण के लिए आवेदनपत्र रु. 1000 या उसके गुणजों के लिए हीने चाहिए।

11. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो। जहां आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

12. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। चेक भारतीय रिजर्व बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।

13. स्टोकूत वैशों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से अहृण आवेदनपत्रों पर किये गये आवंटनों पर तथा दलालों को उनके वारा प्रस्तुत और उनकी महसूकत अहृण आवेदनपत्रों पर किये गये आवंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे

को दर पर दलाली श्रद्धा को जायेगी। बैंक—शानिजय और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिवानों के लिए दलाली का अदायगा के पात्र नहीं होंगे।

दलालों को अदायगों के लिए आठ जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दाका पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से,  
के. एस. शास्त्री, संयुक्त सचिव

### आवेदन-पत्र का फार्म

मैं / हम\* ——————

दूसरे साथ रु. ——————

(पूरा/पूरे नाम)

(—रु.) के लिए नकदी\* प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/ हमें\* —————— तीचे चैक

उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों के वचनपत्र/पत्रों\* के रूप में रु. —————— के स्टाक प्रमाणपत्र

सांकेतिक मूल्य की 11.50 प्रतिशत ऋण, 2015 (पांचवां निर्गम) की प्रतिभूतियां जारी की जाएः—

प्रति वचनपत्र रु.

का (के)†

वचन-पत्र

2. मैं/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं\* कि उनका व्याज —————— में श्रद्धा किया जाए।

विशेष टिप्पणः— इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें।

प्रविष्टियां श्रादाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

आवेदन पत्र सं.	आद्याक्षर	दिनांक
“दलाली नहीं” मुहर		हस्ताक्षर
नकदी प्राप्त होने की तारीख		पूरा (पूरे) नाम
चैक वसूल होने की तारीख		पता
विशेष चालू खाते में जमा करने की तारीख		
जांच की गयी		
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया		
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया		दिनांक मार्च 1986
मांग पत्र सं.		
प्रतिभूति सं.		
काई सं.		
वाउचर पारित करने की तारीख		

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

†वचनपत्र रु. 1,000, रु. 5,000, रु. 10,000 रु. 25,000 रु. 50,000 और रु. 1,00,000 के मूल्य वर्ग में जारी किये जायेंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका यहां उल्लेख करें।

- टिप्पणियां। (1) प्रत्येक शृणु, अभिदान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये शृणु के प्रत्येक प्रकार का प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए श्रलग-प्रलग आवेदन किया जाए।
- (2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगठे के निशान के रूप में हों तो दों व्यक्ति उसके साथ होंगे। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएँ।
- (3) यदि प्रावेशन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक शृणु कार्यालयों में पहुँच हों पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किया जाएः—
- (i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाल प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।
  - (ii) कंपनी/निकाय के शापण पत्र और अंतर्नियम या नियमों और विनियमों/उप नियमों का प्रमाणित प्रतिलिपियां
  - (iii) कंपनी/निकाय का और से भरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्रधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प को प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (4) जो आवेदक स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करता चाहते हैं उन्हें छमाहे व्याप्र के प्रेपण के लिए प्रावेश फार्म (लोक शृणु कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 19th March, 1986

### NOTIFICATION

No. F.4(5)W&M/85.—Subscriptions for the issues of 11.50 per cent. Loan, 2015 (Fifth Issue) for an aggregate amount of Rs.225 crores will be received in the form of cash on the 24th March 1986 upto the close of Banking hours. In the event of 24th March 1986 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions receive upto 10 per cent. or as near thereto as possible in excess of the sum of Rs. 225 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loan exceed the notified figure plus the amount of ten per cent. retainable as aforesaid, partial allotment will be made in respect of the loan on a proportionate basis. If partial allotment is made the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 11.50 per cent. Loan, 2015 (Fifth Issue) issued at Rs.100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st May 2015.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 21st May 2015.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs.1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent. per annum from 24th March 1986. Interest for the period from 24th March 1986 to 20th May 1986 (inclusive) will be paid on 21st May 1986 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 21st November and 21st May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 6 and 7 below be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

### SUPPLEMENTARY PROVISIONS

4. Applications will be received only at—

Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla) Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum.

5. Place of Payment of Interest—Interest on the Loan will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

6. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

7. Interest on the Loan now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

8. The value of investments in the Loan now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

9. The Securities will be issued in the form of :—

(i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Stock Certificates.

10. APPLICATIONS FOR THE LOAN—APPLICATIONS FOR THE LOAN MUST BE FOR RS.1000 OR A MULTIPLE OF THAT SUM.

11. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

12. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques should be drawn in favour of the Reserve Bank of India.

13. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs.100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loan tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loan tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loan.

By order of the President,  
K. S. SASTRY, Lt. Secy.

## FORM OF APPLICATION

I/We\*.....  
 .....  
 [Full name(s) in Block Letters]

herewith tender  \*Cash  Rs..... (Rupees.....  
 Cheque for .....

.....) and request that Securities of 11.50 per cent. Loan, 2015 (Fifth Issue) of the nominal value of Rs..... may be issued to me/us\* in the form of Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below :—

Stock Certificate.

..... Promissory Note(s) † of Rs..... each.  
 ..... Promissory Note(s) † of Rs..... each.  
 ..... Promissory Note(s) † of Rs..... each.

2. I/We\* desire that interest be paid at .....

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Receiving Office.		
Application No. ....	Initials .....	Date .....
N.B. Stamp .....		
Cash		
Received on .....		
Cheque Realised on.....		
Credited to Special Current Account on .....		
Examined .....		
Cash Applications		
Register Posted .....		
Brokerage Register Posted .....		
Indent No. .....		
Scrip No. .....		
Card No. .....		
Voucher passed on .....		

Signature(s) .....

Name(s) in full  
(Block Letters)

Address .....

Dated the..... of  
March 1986.

\*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denomination of Rs.1,000, Rs. 5,000, Rs.10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs.1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

- Notes : (1) Separate applications should be made for each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.
- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—
- Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the company/body.
  - Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.